

प्रेषक,

सी० भास्कर
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेड़ा,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग,

देहरादून: दिनांक: 31 अक्टूबर, 2007

विषय:- ग्रामीण सहभागिता आधारित लघु जल विद्युत परियोजनाओं के पुनरीक्षित आंकलनों की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

सन्दर्भ :- 1-आपका पत्र सं०-1102/उरेड़ा/4(1)-135/ग्रा०स०/2006 दि०-27.07.07

2-आपका पत्र सं०-1442/उरेड़ा/4(1)-135/ग्रा०स०/2006 दि०-30.08.07

महोदय,

उपर्युक्त सन्दर्भित आपके पत्रों एवम् शासनादेश सं०-200/I/2006-03(8)/18/05, दिनांक-08.02.06 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त वर्णित शासनादेश द्वारा जगथाना, कर्मी-3, कुंवारी, लामाबगड, लीती-2, सरमा तथा जाखणा कुल-07 लघु जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण हेतु रु०-890.85 लाख (रु० आठ करोड़ नब्बे लाख पचासी हजार मात्र) की प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष वर्किंग ड्राइंग के अनुसार लागत में हुए विचलन के कारण निम्न विवरणानुसार कार्यों हेतु आपके द्वारा प्रस्तुत पुनरीक्षित आगणनों की आंकलित राशि रु०-373.02 लाख (रु० तीन करोड़ तिहत्तर लाख दो हजार मात्र) के सापेक्ष वित्त विभाग की टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु०-371.96 लाख (रु० तीन करोड़ इकहत्तर लाख छियानबे हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

क्र० सं०	परियोजना का नाम	सिविल कार्यों की टी०ए०सी० द्वारा स्वीकृत लागत	विभाग द्वारा वर्किंग ड्राइंग के अनुसार पुनरीक्षित आगणन की धनराशि (राशि लाख रुपये में)	टी०ए०सी० द्वारा परीक्षण उपरान्त संस्तुत अतिरिक्त स्वीकृति (राशि लाख रुपये में)
1	जगथाना	057,38,304 /	72.17 /	14.79 /
2	कर्मी-3	031,33,552 /	38.96 /	07.62 /
3	कुंवारी	013,16,549 /	25.02 /	11.86 /
4	लामाबगड	081,11,864 /	96.12 /	15.00 /
5	लीती-2	032,39,536 /	42.62 /	10.22 /
6	सरमा	043,47,268 /	52.77 /	09.30 /
7	जाखणा	022,66,713 /	44.29 /	21.61 /
	कुल राशि	02,81,53,786 /	0371.96 /	90.41 /

कमश:.....

- 1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का, जो दरें शीडयूल ऑफ़ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।
 - 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृति हेतु मानक हो, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
 - 4- एक मुश्त प्राविधानों का विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्राप्त की जाय।
 - 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय।
 - 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
 - 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810 के सुसंगत मदों से यथासमय आवंटित धनराशि एवं भारत सरकार से प्राप्त केंद्रांश से वहन किया जायेगा। जो धनराशि, जन सहभागिता के सक्षम लाभार्थी अंश से प्राप्त की जानी है, उसे यथासमय प्राप्त कर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०-573, दिनांक-29 अक्टूबर, 2007 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी० भास्कर)
अपर सचिव।

संख्या: 4268 /1/2006-03(8)/18/05, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, ओबरोय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
- 3- मुख्य अभियन्ता, टी०ए०सी० (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-2,
- ✓ 5- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव